



औ पुं. (तत्.) 1. हिंदी वर्णमाला का ग्यारहवाँ वर्ण जो अ+ओ के संयोग से बना है इसका उच्चारण कण्ठ और ओष्ठ से होता है 2. शेषनाग।

औंगना स.क्रि. (तद्.) बैलगाड़ी या अन्य वाहन की धुरी में तेल लगाना।

औघना अ.क्रि. (देश.) दे. ऊँघना।

औघाई स्त्री. (देश.) आलस्य में नींद की झपकी, ऊँघ।

औटन स्त्री. (देश.) जमीन में गड़ी लकड़ी की चौड़ी मोटी लकड़ी जिस पर रखकर पशुओं के लिए चारा या गन्ने की गंडेरी आदि काटी जाती है।

औठ पुं. (तद्.) 1. किसी पात्र का उठा किनारा 2. कपड़े की किनारी।

औदकना अ.क्रि. (तद्.) अचंभे में पड़ना, चौंकना, कूद-फाँद करना।

औदना अ.क्रि. (तद्.) घबरा जाना, व्याकुल होना, ऊबना।

औध स्त्री. (देश.) आलस्य, तंद्रा, ऊँघ।

औधना अ.क्रि. (देश.) उलट जाना, औंधा होना स.क्रि. उलट देना, औंधा करना।

औधाकार पुं. (देश.) एक फूल का पौधा जिसमें बारीक तिकोनी पत्ती और लाल फूल आते हैं।

औधाना स.क्रि. (देश.) विपरीत स्थिति में कर देना, ऊपरी हिस्सा नीचे कर देना, गिरा देना।

औधी वि. (तद्.) उलटा कर रखी वस्तु, उल्टी वस्तु।

औधी समझ स्त्री. (तद्.) विपरीत बुद्धि, मंद गति, न समझने वाली बुद्धि।

औंधे मुँह वि. (तद्.) नीचे मुँह करके, मुँह के सहारे मुँहा. औंधे मुँह गिरना- बहुत बुरी तरह गिरना।

औंस स्त्री. (तद्.) उमस, घुटनभरी गर्मी।

औंसना स.क्रि. (तद्.) उमस होना, गर्मी से व्याकुलता होना।

औकन स्त्री. (देश.) समूह, ढेर।

औकाई स्त्री. (देश.) वमन, उल्टी, उबकाई।

औकात स्त्री. (अर.) 1. हैसियत, बिसात 2. मान-मर्यादा, प्रतिष्ठा पुं. वक्त, समय मुँहा. अपनी औकात पहचानना-खुद की कमी या कमजोरी का ज्ञान होना।

औकार पुं. (तत्.) 'औ' अक्षर, 'औ' की ध्वनि, 'औ' की मात्रा।

औखा पुं. (देश.) गाय का चमड़ा, गौ-चर्म, वि. कठिन, मुश्किल।

औखी वि. (देश.) गहरा, गंभीर, कठिनाई।

औगी स्त्री. (देश.) 1. चाबुक 2. जंगली जानवर फँसाने के लिए बना हुआ गड़ढा।

औगुन/औगुण पुं. (तद्.) अवगुण, दोष।

औगुनी वि. (तद्.) 1. जिसमें अवगुण हो, बुरा 2. दोषी।

औग्रय पुं. (तत्.) उग्र होने की स्थिति या भाव।

औघ पुं. (तत्.) जलप्लावन, बाढ़।

औघट वि. (तद्.) 1. कठिन, ऊँच-नीच, 2. ऊँचा-नीचा 3. अटपटा।

औघट घाट वि. (तद्.) कठिन मार्ग, दुर्गम पथ। मुँहा. औघट घाट उतारना- विपत्ति में फँसाना, संकट में डालना।

औघड़ पुं. (तद्.) 1. अघोर मत को मानने वाला साधु, अघोर 2. काम में सोच-विचार न करने वाला, अविवेकी वि. 1. अनगढ़, अटपटा, अंड-बंड 2. विलक्षण, अनोखा।

औघड़दानी वि. (तद्.) अकारण दान देने वाला, मनमौजी दान देने वाला।

औघर वि. (देश.) आश्चर्यजनक, अद्भुत संगीत. आरोह-अवरोह से युक्त तान।